भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
प्रेस विज्ञप्ति

<u>भाविप्रा और बीईएल ने स्वदेशी हवाई यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए हाथ मिलाया</u>

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2022: सरकार की "मेक इन इंडिया" पहल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) ने अपनी अनुसंधान एवं विकास पहल के अंतर्गत वायु यातायात प्रबंधन और देश के हवाई अड्डों पर विमानों के भू-संचलन (सरफेस मूवमेंट) संबंधी प्रणालियों के संयुक्त रूप से स्वदेशी विकास हेतु रक्षा क्षेत्र के नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ समझौता किया है। अब तक ये प्रणालियां आयात की जा रही थीं ।

इस समझौते पर भाविप्रा से श्री बी .के. सरकार, कार्यपालक निदेशक (एटीएम-एटीएफएम) और बीईएल से श्री एम. वी. राजा शेखर, निदेशक (अनुसंधान एवं विकास) द्वारा श्री संजीव कुमार, अध्यक्ष, भाविप्रा, श्री एम. सुरेश, सदस्य (एएनएस), भाविप्रा और भाविप्रा तथा बीईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आज हैदराबाद में विंग्स इंडिया 2022 के दौरान हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत बीईएल और भाविप्रा संयुक्त रूप से एडवांस्ड-सरफेस मूवमेंट गाइडेंस एंड कंट्रोल सिस्टम (एएसएमजीसीएस) के साथ सिविल एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) विकसित करेंगे। एएसएमजीसीएस एक जटिल ग्राउन्ड निगरानी प्रणाली है जो टेक-ऑफ से लैंडिंग तक उड़ानों के सुरक्षित संचालन के लिए हवाई अड्डों और भारतीय नागरिक हवाई क्षेत्र में वायु यातायात का प्रबंधन करती है

भाविप्रा के अध्यक्ष श्री संजीव कुमार ने कहा कि “भाविप्रा अपने ग्राहकों को क्षमता और लागत प्रभावी तथा पर्यावरण के अनुकूल सेवाओं को बढ़ाने के लिए भारतीय वायु क्षेत्र/हवाई अड्डों पर सुरक्षित और कुशल वायु दिक्चालन सेवाओं के लिए प्रतिबद्ध है। भाविप्रा नियमित रूप से विकसित हो रहे वैश्विक सेवा मानकों के अनुरूप हवाई अड्डों पर एटीएम प्रणाली का उन्नयन करता है। वर्तमान समझौता अपने एएनएस अवसंरचना को व्यवस्थित, कुशल और लागत प्रभावी तरीके से उन्नत करने संबंधी भाविप्रा की अनुसंधान एवं विकास नीति के अनुरूप तथा भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अनुपालन में है। इससे एएनएस संबंधी अवसंरचना की खरीद के लिए भाविप्रा की विदेशी निर्भरता कम हो जाएगी। मैं आशा करता हूँ कि यह भारतीय विमानन उद्योग में सहयोग का एक नया अध्याय खोलेगा।“

समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद श्री एम. वी. राजशेखर, निदेशक (अनुसंधान एवं विकास), बीईएल ने कहा कि “बीईएल विभिन्न गैर-रक्षा व्यापार क्षेत्रों के लिए अपने साधनों की श्रृंखला का विस्तार करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। भाविप्रा के साथ यह समझौता भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की दिशा में एक बड़ा कदम है। समझौते का उद्देश्य बीईएल और भाविप्रा की पूरक शक्तियों तथा क्षमताओं का लाभ उठाना और दोनों को हवाई अड्डों के आधुनिकीकरण के अवसरों को पूरा करने में सक्षम बनाना है।”

वायु यातायात नियंत्रण का दोहरा उद्देश्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, कई विमानों के बीच दूरी बनाए रखना और हवाई अड्डे और भारतीय वायु क्षेत्र में प्रचालन का कुशल प्रबंधन करना है। एएसएमजीसीएस हवाईअड्डे पर सभी मौसमों में सुरक्षित भू-संचलन को बनाए रखने के लिए जमीन पर विमानों और वाहनों को रूटिंग, मार्गदर्शन और निगरानी संबंधी सेवाएं प्रदान करता है।

एएसएमजीसीएस के साथ एटीएमएस का उद्देश्य प्राथमिक/सेकन्डेरी रडार, स्वचालित डिपेन्डेंट निगरानी-प्रसारण (एडीएस-बी), मल्टी-लेटरेशन सिस्टम (एमएलएटीएस) और दिक्चालन संबंधी उपकरण जैसे जीपीएस, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) और डॉपलर वेरी हाई फ्रीक्वेंसी ओमनी रेंज (डीवीओआर) के साथ संपर्क करते हुए हवाई यातायात नियंत्रक को कवरेज क्षेत्र की संपूर्ण वायु यातायात तस्वीर उपलब्ध कराना है। यह एयरोनॉटिकल फिक्स्ड टेलीकम्युनिकेशंस नेटवर्क (एएफटीएन), एयरपोर्ट ऑपरेशनल डेटाबेस (एओडीबी), एयरपोर्ट कोलैबोरेटिव डिसीजन मेकिंग (एसीडीएम) और सेंट्रलाइज्ड एयर ट्रैफिक फ्लो मैनेजमेंट सिस्टम (सीएटीएफएम) सहित कई उप-प्रणालियों के साथ इंटरफेस करता है। इस प्रणाली का उपयोग भीड़-भाड़ वाले हवाई अड्डों पर और वायु क्षेत्रों में सैन्य उड़ानों सहित वायु यातायात की बड़ी मात्रा के उपयोग के लिए किया जाता है।

सिस्टम में कई इन-हाउस विकसित प्रौद्योगिकियां शामिल हैं, जैसे एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के लिए सिचुएशन डिस्प्ले, सर्विलांस डेटा प्रोसेसिंग (एसडीपी), फ्लाइट डेटा प्रोसेसिंग (एफडीपी), सेफ्टी नेट और डिसीजन सपोर्ट (एसएनईटी), कंट्रोल एंड मॉनिटरिंग डिस्प्ले (सीएमडी), नवीनएएसएमजीसीएस आदि। यह नियंत्रक कार्यभार को कम करके, हवाई यातायात प्रवाह में सुधार और उड़ान की देरी को कम करके बेहतर सुरक्षा के साथ क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। एटीएम प्रचालनों को सुरक्षित रखते हुए रिडंडेंट और डिस्ट्रीब्यूटेड आर्किटेक्चर के माध्यम से प्रणाली की बढ़ी हुई विश्वसनीयता और उपलब्धता को उपलब्ध कराया जाता है।

निगमित संचार निदेशालय, भाविप्रा द्वारा जारी किया गया
विवरण के लिए कृपया संपर्क करें: मप्र (नि.सं))011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति सं. 32/2021-22

विंग्स इंडिया-2022, हैदराबाद में भाविप्रा और बीईएल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान श्री संजीव कुमार, अध्यक्ष, भाविप्रा ।.

बीईएल के बारे में

बीईएल एक बहु-उत्पाद, बहु-प्रौद्योगिकी, बहु-इकाई समूह है और इसके उत्पाद रडार, मिसाइल सिस्टम, सैन्य संचार, नौसेना प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और एवियोनिक्स, सी 4 आई सिस्टम, इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स और रक्षा के क्षेत्र में टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं गन / वेपन सिस्टम अपग्रेड तथा इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज़ के क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। बीईएल के गैर-रक्षा व्यवसाय के क्षेत्र में कंपोजिट शेल्टर और मस्तूलों के अलावा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), होमलैंड सिक्योरिटी और स्मार्ट सिटी, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर रडार, सोलर, सैटेलाइट इंटीग्रेशन एवं स्पेस इलेक्ट्रॉनिक्स, रेलवे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर और ऊर्जा भंडारण उत्पाद जैसे क्षेत्र सम्मिलित हैं।